भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3019
09 अगस्त, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष बाजार

3019. श्री हंसमुखभाई सोमाभाई पटेल:
श्री मितेश पटेल (बकाभाई):

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2022-23 की स्थिति के अनुसार आयुष बाजार के आकार का ब्यौरा क्या है;
(ख) वर्ष 2014-15 से वर्ष 2022-23 तक आयुष बाजार के आकार में वर्ष-वार कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई है; और
(ग) आयुष श्रेणी की चिकित्सा को लोकप्रिय बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर
आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): आयुष मंत्रालय द्वारा ऐसा कोई आकंडा नहीं रखा जाता है। हालाँकि, वर्ष 2021 में विकासशील देशों के लिए अनुसंधान और सूचना प्रणाली (आरआईएस) के तहत भारतीय पारंपरिक चिकित्सा मंच (एफआईटीएम) द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2014-15 में 2.85 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में वर्ष 2020 में आयुष बाजार के 18.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान लगाया गया है अर्थात **7** वर्षों में इसमें 6 गुना वृद्धि हुई है। उपर्युक्त रिपोर्ट की प्रति https://www.ris.org.in/en/node/3307 पर देखी जा सकती है।

(ग): आयुष चिकित्सा श्रेणी को लोकप्रिय बनाने के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा उठाए गए कदम निम्न प्रकार हैं-

(I) वर्ष 2021 में, आयुष मंत्रालय ने केंद्रीय क्षेत्रीय योजना आयुष औषधि गुणवत्ता एवं उत्पादन संवर्धन योजना (एओजीयूएसवाई) कार्यान्वित की है। इस योजना का पांच वर्षों के लिए कुल वित्तीय आवंटन 122.00 करोड़ रूपए है। एओजीयूएसवाई योजना के घटक निम्न प्रकार हैं-
क. उच्चतर मानकों को प्राप्त करने के लिए आयुष फार्मेसियों और औषध परीक्षण प्रयोगशालाओं का सुदृढ़ीकरण और उन्नयन।
ख. भ्रामक विज्ञापनों की निगरानी सहित एएसयू एंड एच औषधियों की भेषजसतर्कता।
ग. आयुष औषधियों के लिए तकनीकी मानव संसाधन एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों सहित केंद्रीय और राज्य विनियामक कार्य ढांचे को सुदृढ़ करना।
घ. भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), भारतीय गुणवत्ता नियंत्रण (क्यूसीआई) और अन्य प्रासंगिक वैज्ञानिक संस्थाओं और औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास केंद्रों के सहयोग से आयुष उत्पादों एवं सामग्रियों के मानकों के विकास तथा मान्यता/प्रमाणन के लिए सहयोग प्रदान करना।

इस योजना के विस्तृत दिशानिर्देश https://ayush.gov.in/images/Schemes/aoushdhi.pdf पर उपलब्ध हैं।

(II) यह मंत्रालय आयुष चिकित्सा पद्धति के विषय में जागरूकता पैदा करने के लिए आयुष में सूचना शिक्षा और संचार (आईईसी) को बढ़ावा देने हेतु केंद्रीय क्षेत्रीय योजना कार्यान्वित करता है। इसका लक्ष्य पूरे देश में जनसंख्या के सभी वर्गों तक पहुंचना है। यह योजना राष्ट्रीय/राज्य आरोग्य मेलों, योग महोत्सवों/उत्सवों, आयुर्वेद पर्वों आदि का आयोजन करने हेतु सहायता प्रदान करती है। यह मंत्रालय आयुष पद्धति के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए मल्टी-मीडिया, प्रिंट मीडिया अभियान भी चलाता है।

(III) आयुष मंत्रालय के तत्वावधान में, 12 राष्ट्रीय संस्थान और 05 अनुसंधान परिषदें बाह्यरोगी और अंत: रोगी सेवाओं, स्वास्थ्य देखभाल की आयुष पद्धतियों में वैज्ञानिक आधार पर अनुसंधान के समन्वय, निर्माण, विकास और प्रचार में संलिप्त हैं। ये संस्थान/परिषदें जनसामान्य के मध्य स्वास्थ्य देखभाल की आयुष पद्धतियों पर जागरूकता पैदा करने के लिए आरोग्य मेलों, जागरूकता शिविरों, उपचार शिविरों, रेडियो और टीवी वार्ताओं, स्वास्थ्य रक्षण कार्यक्रम (एसआरपी), अनुसूचित जाति उप योजना (एससीएसपी) अनुसंधान कार्यक्रम, जनजातीय स्वास्थ्य देखभाल अनुसंधान कार्यक्रम (टीएचसीआरपी) जैसे आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करते हैं। ये परिषदें वास्तविक साक्ष्यउत्पन्न करने के लिए नैदानिक अनुसंधान, औषधीय पादप अनुसंधान, औषध मानकीकरण एवं गुणवत्ता नियंत्रण; भेषजसंहिता संबंधी अनुसंधान तथा साहित्यिक एवं मौलिक अनुसंधान सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान करती हैं।

*****